सीएम की रैली के लिए भेजी गईं रोडवेज की सैकड़ों बसें, जनता हुई परेशान

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) जातिगत राजनीति की आलोचना करने वाली भाजपा के मुख्यमंत्री खट्टर चुनाव नजदीक आते ही बड़ी-छोटी जातियों को साधने में जुट गए हैं। कोली समाज को लुभाने के लिए खट्टर 20 नवंबर को झलकारी बाई राज्यस्तरीय जयंती समारोह में शामिल होने पलवल पहुंचे। कार्यक्रम मुख्यमंत्री का था तो भीड़ जुटाने के लिए रोडवेज की फरीदाबाद, पलवल, झज्जर, रोहतक, गुड़गांव आदि डिपो की साढ़े तीन सौ से अधिक बसें लगा दीं गई, लेकिन ये बसें खाली ही रहीं क्योंकि रैली में पहुंचाने के लिए भाजपा को न तो कार्यकर्ता मिले और न ही समर्थक जनता। इतने बड़े पैमाने पर रोडवेज बसें रैली में भेजे जाने से आम जनता सवारी के लिए परेशान हुई।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भारी मात्रा में कोली समाज के लोग पहुंचें इसके लिए आसपास के जिलों के विधायक, भाजपा जिलाध्यक्ष, जिला स्तर के पदाधिकारियों को अपने इलाके से बसों मे लोग भेजने का फरमान सुनाया गया था। फरीदाबाद से भी 97 बसों का बेड़ा रैली में भेजने के लिए तैयार किया गया था। यहां फरीदाबाद विधानसभा के विधायक नरेंद्र गुप्ता को 25 बसें भर कर भेजने की जिम्मेदारी सौंपी गई। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा की बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र विशेषकर सेक्टर दो में भीड़ इकट्ठा करने के लिए 32 रोडवेज बसें लगाई गई थीं। बाकी अन्य विधानसभा क्षेत्रों से भीड़ इकट्ठा करने के लिए 40 बसें लगाई गई थीं।

भाजपा के भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार सुबह साढ़े छह से सात बजे के बीच सभी 97 बसें अपने अपने इलाके में भेज दी गईं। भाजपा कार्यकर्ता लोगों को बसों में भरने की कवायद में दोपहर तक जुटे रहे लेकिन चंद लोग ही जुट सके। बसें इक्का दुक्का लोगों को ही लेकर रवाना हुईं। विधायक नरेंद्र गुप्ता के पीए तो एक भी बंदा इकट्ठा नहीं कर सके। अंत में बारह बजे खाली बस लौटा दी गई। सूत्रों के मुताबिक किसी भी बस में छह-सात से ज्यादा लोग नहीं थे। यही हालत गुड़गांव, रोहतक, झज्जर आदि जिलों से भेजी गईं बसों का था। इतने जिलों से भीड़ जुटाने के बावजूद खट्टर की रैली में महज 3700 लोग ही जुटाए जा सके।

रैली में साढ़े तीन सौ से अधिक बसें भेजे जाने से रोडवेज को राजस्व का जो नुकसान हुआ वो अलग, यात्रियों को दिन भर सवारियों के लिए भटकना पड़ा। खासकर महिलाओं और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा। त्यौहारी सीजन होने के कारण यात्रियों की संख्या में सोमवार को काफी इजाफा हुआ था। बल्लभगढ़ डिपो में छोटी और लंबी दूरी की 152 बसें रोजाना चलाई जाती हैं। सोमवार को इनमें से 97 यानी लगभग 62 प्रतिशत बसें मुख्यमंत्री की रैली में लगा दी गई थीं, इस कारण डिपो में बसों की कमी हो गई। बसें नहीं होने से यात्री पूरे दिन भटकते रहे। लंबी दूरी के यात्रियों खास कर परिवार के साथ सफर करने वालों का दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बल्लभगढ़ नगर निगम को चला रहा ट्यूबवेल सहायक

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा) ईमानदारी का ढिंढोरा पीटने वाले मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर नगर निगम में घोटालों के लगातार खुलासे होने के बावजूद अधिकारी तो दूर छोटे कर्मचारियों पर भी नकेल नहीं कस पा रहे हैं। भ्रष्टाचार आईएएस, चीफ इंजीनियर ही नहीं कर गए, यहां ट्यूबवेल सहायक से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक आला अधिकारियों के नाम पर लूट कमाई कर रहे हैं। आला अधिकारी जानते हुए भी कोई कार्रवाई नहीं करते क्योंकि ये कर्मचारी लूट कमाई का हिस्सा ऊपर तक पहुंचाते हैं।

नगर निगम मुख्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रेम की ही तरह बल्लभगढ़ नगर निगम (डिवीजन चार) में तैनात ट्यूबवेल सहायक गुलाब कर्दम अपने आप को एक्सईएन ओपी कर्दम और चीफ इंजीनियर बीरेंद्र कर्दम का चाचा बताता है। ओपी कर्दम के एजेंट के रूप में इस ट्यूबवेल सहायक को वह सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं जो निगम के आला अधिकारियों को मिलती हैं। पंद्रह साल से अधिक समय से यहीं तैनात गुलाब का रसूख इतना है कि एक्सईएन ने उसे निगम कार्यालय में एक कमरा अलग दे रखा है। निगम नियमों के अनुसार सुपरिंटेंडिंग इंजीनियर तक के अधिकारी ही एयरकंडिशनर लगा सकते हैं लेकिन गुलाब कर्दम के कमरे में एसी भी

गुलाब कर्दम

लगाया गया है। ट्यूबवेल सहायक होने के बावजूद आला अधिकारियों की तरह कमरे में अकेले बैठता है जबकि। निगम के कई कर्मचारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गुलाब कर्दम खुद को चीफ इंजीनियर बीरेंद्र कर्दम और एक्जीक्यूटिव इंजीनियर ओपी कर्दम का चाचा बता कर डिवीजन चार के अधिकारियों पर रौब झाड़ता है। डिवीजन के जूनियर इंजीनियरों को तो जब चाहे डांटता फटकारता रहता है।

डिवीजन चार के भरोसेमंद सूत्रों के अनुसार गुलाब कर्दम ही अपने भतीजे एक्जीक्यूटिव ओपी कर्दम के नाम पर नगर निगम और खासकर इंजीनियरिंग ब्रांच को चला रहा है। ठेका दिलाना हो या वर्क ऑर्डर जारी कराना सब कुछ गुलाब कर्दम के जरिए ही होता है। एक्सईएन ओपी कर्दम भी चाचा गुलाब की फाइलों पर प्राथमिकता से हस्ताक्षर करते हैं। ठेकेदार भी सारा सुविधाशुल्क इसी के जरिए आला अधिकारियों तक पहुंचाते हैं।

कर्मचारियों के अनुसार निगम में अब पर्याप्त संख्या में तृतीय श्रेणी कर्मचारी हैं। इन कर्मचारियों को कार्यालय के काम न देकर डायरी और डिस्पैच जैसे काम दे रखे गए हैं यानी उनसे दस्तावेज व फाइल मेनटेन करने जैसे जरूरी काम नहीं कराए जा रहे। ये काम गुलाब कर्दम के ही जिम्मे है। अघोषित रूप से माना जाता है कि यदि गुलाब कर्दम नहीं हो तो बल्लभगढ़ नगर निगम के सारे काम ठप हो जाएं। नगर निगम में इतनी जिम्मेदारी होने के कारण ही बीते कई साल से ट्यूबवेल ऑपरेट करना तो दूर ट्यूबवेल की शक्ल तक नहीं देखी है। अब जब इतनी जिम्मेदारी है तो उसके लिए एक सरकारी आवास तो चाहिए ही। ट्यूबवेल सहायक को निगम ने बाकायदा सरकारी आवास भी अलॉट कर रखा है।

संदर्भवश सुधी पाठक जान लें कि ट्यूबवेल सहायक का काम ट्यूबवेल चलाना-बंद करना है। ट्यूबवेल पर ड्यूटी होने के कारण उसे वहीं रहना भी होता है, इसके विपरीत गुलाब ने बीते कई वर्षों से किसी ट्यूबवेल को चलाना तो दूर उसे देखा तक नहीं है। निगम कर्मचारियों में इस बात को लेकर रोष है कि जब डिवीजन चार में पर्याप्त मात्रा में लिपिक मौजूद हैं तो उनसे काम न करा कर गुलाब कर्दम से वो काम कराए जा रहे हैं जिनके वह योग्य नहीं है। ये तृतीय श्रेणी कर्मचारी प्रतियोगी परीक्षा पास कर यहां तक पहुंचे हैं, जबकि गुलाब कर्दम बीते पंद्रह साल से ट्यूबवेल सहायक ही है।

यहां बड़ा सवाल ये पैदा होता है यदि कर्दम बंधुओं ने ही नगर निगम में बैठ कर लूटपाट का धंधा करना है तो शहर की जनता निगम में बैठे आयुक्तों का बोझ क्यों ढो रही है। इसके अलावा निगमायुक्त के ऊपर चंडीगढ़ में बैठे अति उच्च अधिकारी वो क्यों अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं? चलो, ये सब तो ठहरे अफसरशाह इनकी जनता के प्रति उदासीनता हो सकती है लेकिन इनकी नकेल कसने के लिए जनता के चुने विधायक सांसद और मंत्री वो कौन सी अफीम खाए बैठे हैं। जाहिर है ये तमाम लोग होने वाली लूटपाट में बराबर के हिस्सेदार हैं, इनकी मर्जी और संरक्षण के बिना कोई भी कर्दम लूटपाट नहीं कर सकता।

फौजी कैंटीन मैनेजर मधु बर्खास्त, उसके काले कारनामों के जांच की दरकार

फ़रीदाबाद (मज़दूर मोर्चा)। सेक्टर 16 स्थित फौजी कैंटीन से आखिरकार गैर फौजी मैनेजर मधु चौहान को बर्खास्त कर दिया गया। माना जा रहा है कि इसके साथ ही फ़ौजी कैंटीन में व्याप्त अनियमितताओं, भ्रष्टाचार, नौकरी के अपॉइंटमेंट, सप्लाई के काम में, कॉंट्रैक्ट देने में भाई-भतीजावाद, जात-पात, वीर नारियों, विधवाओं व पूर्व सैनिक सीनियर सिटीजन की बेइज़्ज़ती व उनके साथ की गई बदतमीज़ी, लड़की होने के कारण दूसरों पर फर्जी मुक़दमा दर्ज कराने की धमकी देने से लेकर ऊपर तक नाजायज़ कमाई का कट पहुंचाने, कुछ पूर्व सैनिकों के ग़ैर क़ानूनी दारू के ठेके पर शराब पहुंचाने, फ़रीदाबाद के ओयो होटलों में सभी कुछ सप्लाई करने, फ़रीदाबाद में नक़ली दारू को ख़ाली फ़ौजी दारू की बोतलों में भरने के लिए असली ख़ाली बोतलें सप्लाई करने, सप्लायर्स से पैसा उगाहने, जंग में मारे गये सैनिकों की विधवा नारियों को कैंटीन की नौकरी से निकाल कर अपने चहेते लड़कों को कैंटीन में नौकरी पर रखने, अपनी नौकरी बचाने व ट्रांसफ़र रुकवाने के लिए कुछ भी कर गुजरने व अंधेरगर्दी का दौर समाप्त हो गया।

फ़ौजी कैंटीन की "मधुर कहानियों" के बारे में मज़दूर मोर्चा बेबाक़ी से अंदर की बातें कुछ सप्ताहों से लगातार लिखता रहा है। अंततः कैंटीन मैनेजर मधु चौधरी उर्फ़ मधु चौहान का बिस्तर बंधवा कर घर

की तरफ़ रवाना कर दिया गया और उसकी बर्ख़ास्तगी को शराफ़त की चादर ओढ़ने के लिए ये अफ़वाह फैला दी गई की एमबीए पास मैडम की पलवल के औरंगाबाद में रहने वाले और पहले बैंगलोर में कार्यरत एक पूर्व वायु सैनिक के सुपुत्र के साथ 28 नवंबर को सेक्टर 65 स्थित महाराजा पैलेस बैंक्वेट में शादी है।

एमबीए पास मैडम को मज़दूर मोर्चा शुभकामनाएं देता है और अपेक्षा करता है कि मैडम अब फ़ौजी कैंटीन में किए गये कर्मों पर पर्दा डालकर अपनी फ़ेयरवेल पार्टी में इस समाचार पत्र व कई अन्य को दी गई खुली धमकी को नज़रअंदाज़ कर ख़ुद को अच्छी पुत्र वधू व अच्छी पत्नी साबित करने का पूरा प्रयत्न करेंगी। आगे का जीवन निर्वहन करेंगी व कोई अच्छी नौकरी भी ढूंढ लेंगी क्योंकि मैडम का फ़रीदाबाद फ़ौजी कैंटीन का पूरा का पूरा एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट तो मज़दूर मोर्चा के पास है ही, जो समय पड़ने पर उनके काम आ सकता है। एमबीए पास मैडम ने अपनी फ़ेयरवेल पार्टी में व पार्टी के तुरंत बाद अपने बहुत ही नज़दीकी कैंटीन स्टाफ के समक्ष इस समाचार पत्र व कई अनजान व्यक्तियों को धमकी देने के साथ-साथ दिल्ली एरिया में तैनाती पाए नये एरिया कमांडर साहब को भी खूब खरी खोटी सुनाई क्योंकि उन्होंने बना बनाया खेल बिगाड़ दिया। साथ ही मैडम ने समय आने पर उसके पास मौजूद फ़रीदाबाद के कार्यकाल के दौरान उसके नज़दीकी रहे कई जाने माने पूर्व सैनिकों, सेक्टर 16 में ही स्थित हरियाणा के सैनिक व पूर्व सैनिक कार्यालय में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों से बातचीत का विवरण, वीडियो क्लिप, दिल्ली के कर्नल साहब व फ़रीदाबाद के जाने माने कथित समाज सेवी कर्नल साहब के साथ "लाल किताब" में मौजूद क्रियाकलाप व हिसाब किताब को सार्वजनिक करने की धमकी भी दे डाली, जिसके बाद मैडम के चमचे तक घबरा गये और कुछेक ने बदहवासी में तो मैडम के साथ हुई पुरानी सारी व्हाट्सएप चैट को डिलीट कर मैडम का नंबर ही ब्लॉक कर दिया।

अब सरकार को फ़रीदाबाद सेक्टर 16 में स्थित फ़ौजी कैंटीन के 'मधु काल' की पूरी जांच कर मालूम करना चाहिए की किस तरह अपॉइंटमेंट के नियमों को दरकिनार कर एक अनुभवहीन मधु चौधरी को किस विज्ञापन के तहत, किस पैनल ने, कौन-कौन से रिकमेंडेशन के तहत, किन पूर्व सैनिकों के दावों को दरकिनार कर नौकर दी गई, उसकी तनख़्वाह फ़िक्स की गई, उसे किन नियमों व किसके रिकमेंडेशन के तहत लगातार एक्सटेंशन दी गई, इस अनुभवहीन मैनेजर को क्या क्या पॉवर थी?

इसकी भी जाँच होनी चाहिए की इसके काले कारनामों की सभी को खबर होने के बावजूद इस मैनेजर को दिल्ली कैंट स्थित दिल्ली आर्मी एरिया ऑफिस, फ़रीदाबाद के कुछ पूर्व सैनिक, सेक्टर 16 में स्थित सैनिक व अर्ध सैनिक कार्यालय में पदस्थ कौन कौन रिमोट कंट्रोल कर रहा था व इसकी काली कमाई का भागीदार था व इस मैनेजर के टर्म में किस किस को और कितना नाजायज़ फ़ायदा हुआ व इस मैनेजर के नाजायज़ अपॉइंटमेंट को दी गई सारी सैलरी की मय ब्याज सारी रिकवरी कर खाते में डाली जाये व जंग में मारे गये सैनिकों की जिन विधवा नारियों को कैंटीन की नौकरी से निकाला गया था उन्हें वापस नौकरी पर रखा जाये व जिन अपने चहेते लड़कों को कैंटीन में नौकरी पर रखा गया था उनकी सैलरी रिकवर कर उन्हें नौकरी से निकाला जाये नहीं तो देश के लिये शहीद हुए उन पूर्व सैनिकों की रूह व विधवा नारियों की आह इन सभी को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से तबाह कर देगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार ने अपने स्वामित्व में एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सैक्टर-6, नोएडा से मुद्रित करवा कर 708 सैक्टर-14 फरीदाबाद से प्रकाशित किया।